M.A. (Pali & Prakrit) (Choice Based) Regular-Semester 2016 Sem I

MAPPCBCS103 - Paper-III : Vinaypitak Va Pali Vyakran

(विनयपिटक व पालि व्याकरण)

P. Pages : 3 **GUG/W/16/8007**

Time : Three Hours * 5 0 4 5 * Max. Marks : 80

सूचना :- 1. सर्व प्रश्नांची उत्तरे लिहिणे आवश्यक आहे.
सभी प्रश्नों के सवाल लिखना आवश्यक हैं।
2. स्वीकृत माध्यमातून उत्तरे लिहा.
स्विकृत माध्यम में उत्तर लिखिए ।

1. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
अनुवाद कीजिए।

i) तेन खो पन समयेन आयस्मा आनन्दो भगवतो पिट्ठितो ठितो होति भगवन्त वीजमानो। अथ खो भगवा आयस्मतं आनंदं आमन्तेसि - किन्ति ते आनंद। सुतं, वज्जी अभिण्हं सन्निपाता सन्निपातबहुला ति। सुतं मे तं भन्ते। वज्जी अभिण्हं सन्निता सन्निपात बहुला ति । यावकीवञ्च आनन्द। अभिण्ह सन्निपाता सन्निपात बहुला भविस्सन्ति, वुध्दियेव आनन्द। वज्जीनं पटिकङ्ख नो परिहानि। किन्ति ते आनन्द। सुतं, वज्जी समग्गा सन्निपतन्ति समग्गा वुटहन्ति, समग्गा वज्जीकरणीयानि करोन्ती ति? सुतं मे तं भन्ते। वज्जी समग्गा सन्निपतन्ति, समग्गा वुटहन्ति, समग्गा वज्जीकरणी यानि करोन्ती ति।

OR / अथवा

ii) पञ्चिमे गहपतयो। अनिसंसा सीलवतोसीलसम्पदाया कतमे पञ्च?
इध गहपतयो। सीलवा सील सम्पन्नो अप्पमादाधिकरणं महन्तं भोगक्खन्धं अधिगच्छति। अयं पठमो अनिसंसो सीलवतो सीलसम्पदाय। पुनंच परं गहपतयो। सीलवतो सीलसंम्पन्नस्स कल्याणो कितिसद्दो अब्भुगच्छति। अयं दुतियो अनिसंसो सीलवतो सीलसम्पदाय। पुनं च परं गहपतयो। सीलवा सीलसम्पन्नो यञ्ञदेव परिसं उपसङ्कमति यदि खतिय परिसं यदि ब्राहाण परिसं, यदि गहपति परिसं, यदि समणं परिसं विसारदो उपसङ्कमति अमङ्कभूतो। अयं सतियो अनिसंसो सीलवतो सील सम्पदाय।

ब) 'सारिपुत्तस्स सिंहनाद' यावर सविस्तर लिहा. **6**
'सारिपुत्तस्स सिंहनाद' विस्तार से लिखिए ।

OR / अथवा

''वेलुगामे वस्सावासो'' सविस्तर लिहा.
''वेलुगामे वस्सावासो'' विस्तार से लिखिए ।

2. अ) महापरिनिब्बाण सुत्ताच्या आधारे बुध्दाच्या अंतिम जीवनाचे वर्णन करा. **10**
महापरिनिब्बाण सुत्तके आधार से बुध्द के अंतिम जीवन का वर्णन कीजिए।

OR / अथवा

सीलानिसंस सविस्तर सांगा.
सीलानिसंस विस्तार से लिखिए ।

ब) 'सत्त अपरिहानिया धम्मा' सविस्तर लिहा. **6**
'सत्त अपरिहानिया धम्मा' विस्तार से लिखिए ।

OR / अथवा

अम्बपालि गणिकाय भोजनदानं सविस्तर सांगा.
अम्बपालि गणिकाय भोजन सविस्तार से लिखिए ।

3. अ) Translate **any one** of the following. **10**
खालीलपैकी **कोणत्याही एकाचे** भाषांतर करा.
निम्नलिखित में से **कोई भी एक** का अनुवाद कीजिए।

i) तेन खो पन समयेन तपुस्समल्लिका वाणिजा उक्कला तं देसं अध्दानमग्गप्पटिपन्ना होन्ति। अथ खो तपुस्समल्लिकाने वाणिजाने जातिसालोहिता देवता तपुस्समल्लिके वाणिजे एतदवोच - अयं मारिसा, भगवा राजायतनमूले विहरति पठमाभिसम्बुध्दो, गच्छथ तं भगवन्तं मन्थेन च मधुपिण्डिकाय च पतिमानेथ तं वो भविस्सति दीघरतं हिताय सुबाया ति। अथ खो तपुस्समल्लिके वाणिजा मन्थ च मधुपिण्डिकं च आदाय येन भगवा तेनुपसङ्कमिसु उपसङ्कमित्वा भगवन्तं अभिवादेत्वा एकमन्तं अट्ठंसु एकमन्तं ठिता खो तपुस्समल्लिका वाणिजा भगवन्तं एतदवोचुं पटिग्गव्हतु यो भन्ते भगवा मन्थं च मधुपिण्डिकं च यं अम्हाकं अस्स दीघरतं हिताय सुबाया ति।

OR / अथवा

ii) अथ खो ब्रम्हानो सहम्पतिस्स भगवतो चेतसा चेतोपरिवितक्कमञ्ञाय एतदहोसि 'नस्सति वत भो लोको। विनस्सति वत यो लोको, यत्र हि नाम तथागतस्स अरहन्त ---- अप्पोस्सुक्कताय चिते नमति, नो धम्मदेसनाया ति । अथ खो ब्रम्हा सेय्यथापि नाम बलवा पुरिसो, सम्मिज्जितं वा बाहं पसारेय्य, पसारितं वा बाहं सेय्य एवमेव ब्रह्मालोके अन्तरहितो भगवतो पुरतो पातुरहोसि। अथ खो ब्रह्मा सहपति एकंस उतरास ङ्ग करित्वा दक्खिण जाणुमण्डल पठवियं निहन्त्वा येन भगवा तेनञ्जलि पणामेत्वा भगवन्तं एतदवोच देसेतु भन्ते, भगवा धम्म, देसेतु सुगतो धम्म।

ब) Write Notes on **any one** of the following. **6**
कोणत्याही एकावर टिपणे लिहा.
किन्ही एक पर टिप्पणियाँ लिखिए ।

i) बोधिकथा ii) मूचलिन्द कथा

4. अ) वर्तमान व भूतकाळातील धातूंची रुपे लिहा **कोणतेही दोन** **10**
वर्तमान और भूतकाल के धातू के रुप लिखिए। **कोई भी दो ।**

i) गच्छ ii) वद

iii) पठ iv) चर

ब) पालि व्याकरण परंपरा सांगून मोग्गलायन पालि व्याकरणकाराची माहिती द्या. **6**
पालि व्याकरण परंपरा बताकर मोग्गलायन व्याकरणकार की जानकारी दीजिए।

OR / अथवा

भविष्यकाळाची प्रत्यय सांगून एक उदाहरण देवून स्पष्ट करा.
भविष्यकाल के प्रत्यय बताकर एक उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।

5. अ) टिपणे लिहा **कोणतेही दोन.** **6**
टिप्पणियाँ लिखिए **कोई भी दो।**

1) विनयपिटक 2) पञ्चवग्गिय कथा

3) महापरिनिब्बानसुत्त 4) चत्तरि अरिय सच्चानि

ब) खालील प्रश्नांची उत्तरे द्या. पर्याय निवडा **10**
निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। पर्याय चुनिए।

1) विनय पिटक म्हणजे काय?
विनय पिटक याने क्या?
अ) भिक्खु भिक्खुणींचे संविधान ब) सद्धम्म
क) नितीशास्त्र ड) माट विजय

2) विनय पिटकातील महावग्गातील पहिले सुत्त
विनय पिटक के महावग्ग के पहिला सुत्त
अ) बोधिकथा ब) अजपाल
क) मुचलिन्द ड) मुनीगाथा

3) विनय पिटकानुसार भिक्खूंचे नियम
विनय पिटका नुसार भिक्खू के नियम
अ) 227 ब) 311
क) 547 ड) 220

4) भिक्खुनी नियमांची संख्या
भिक्खुनीयों के नियम संख्या
अ) 227 ब) 311
क) 152 ड) 62

5) तथागताचे महापरिनिर्वाण
तथागत का महापरिनिर्वाण
अ) कुशीनारा ब) कपिलवस्तु
क) वैशाली ड) राजगृह

6) पठम धम्मसंगिती येथे झाली.
पठम धम्म संगिती यहा हुई ।
अ) राजगृह ब) वैशाली
क) कुशीनगर ड) बुध्दगया

7) बुध्दांच्या प्रमुख भिक्खू पैकी एक
बुध्द के प्रमुख भिक्खू में एक
अ) सारिपुत्त ब) उदायी
क) वप्प ड) भद्दिय

8) बुध्दाचे अंतिम जीवन चित्रित आहे.
बुध्द के अंतिम जीवन चित्रित है।
अ) मुनीकथा ब) बुध्दचरित्र
क) महापरिनिब्बान सुत्त ड) धम्मचक्क पवत्तन सुत्त

9) पहिल्या वर्षावासात भिक्खूंची संख्या होती.
पहले वर्षावास में भिक्खू की संख्या थी।
अ) 62 ब) 61
क) 66 ड) 54

10) अजपालकथा येत
अजपाल कथा आता है।
अ) सुत्तपिटक ब) सुत्तनिपात
क) विनयपिटक ड) दीघनिकाय

****

mumotes.in

munotes.in